वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 200 | शनिवार 18 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों ने जयपुर में वोट डाले

बैलेट पेपर के जरिए किया मतदान; 24 नवंबर तक कर सकेंगे वोट

जयपुर. कासं

विधानसभा चुनाव के लिए होम वोटिंग के बाद अब उन कर्मचारियों की वोटिंग शुरू हो गई है, जो चुनाव के दौरान ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। इन कर्मचारियों को बैलेट पेपर के जरिए वोटिंग करने की सुविधा दी गई है। इसके लिए जयपुर जिले में अलग-अलग जगहों पर 67 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। जिन्हें सुविधा केन्द्र (फैसिलिटेशन सेंटर) कहा गया है। इन केन्द्र पर कर्मचारियों को वोटिंग करने के बाद बैलेट पेपर को लिफाफे में बंद करके मतपेटी में डालने की सुविधा दी है। आज जयपुर शहर में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने बैलेट पेपर के जरिए इन फैसिलिटेशन सेंटर पर वोट डाले। दरअसल, इस बार चुनाव आयोग ने इन कर्मचारियों की वोटिंग प्रक्रिया में बदलाव किया है। चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारी इस बार अपने साथ बैलेट पेपर नहीं ले जा सकते हैं। इससे पहले जब चुनाव हुए तब चुनावी ड्यूटी में तैनात कर्मचारी को बैलेट पेपर घर ले जाने की सुविधा थी। उन कर्मचारियों के पास वोटों की गिनती शुरू होने से पहले डाकमत पत्र जमा करवाने का समय होता था। इस बार कर्मचारियों के वोटिंग के लिए डाक मतदान सुविधा केंद्र बनाए गए है।

सीरियल नंबर और नियुक्ति पत्र देखने के बाद दिया बैलेट पेपर

आज मतदान प्रक्रिया के दौरान पहले सभी कार्मिकों का द्वितीय नियुक्ति पत्र चेक किया गया। इसके बाद उनका नाम वोटर लिस्ट मिलान करके आवंटित सीरियल नंबर मिलान किया हैं। ये दोनों प्रक्रिया पूरी होने के बाद वोट डालने के लिए कर्मचारी को बैलेट पेपर दिया गया। इसके बाद बैलेट पेपर पर वोटिंग स्टैम्प लगाने के बजाए पेन से टिक लगाकर वोट देने का नियम रखा गया।

यहां बनाए मतदान केन्द्र

जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया- विधानसभा चुनाव की ड्यूटी में लगे पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए 67 मतदान बूथ बनाए हैं। इन केन्द्रों पर 17 नवंबर से 24 नवंबर तक अलग-अलग दिन मतदान करवाए जाएंगे। जयपुर शहर में बनाए प्रशिक्षण केन्द्र पटेल भवन, नेहरू भवन, इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, महाराजा संस्कृत कॉलेज पोद्दार इंस्टीट्यूट, जवाहर कला केन्द्र, खेतान कॉलेज, कृषि संस्थान दुर्गापुरा, बिरला ऑडिटोरियम एवं कानोडिया कॉलेज में जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 17 सुविधा केंद्र और अन्य जिलों के लिए 10 मतदान बूथ स्थापित किए है।

होम वोटिंग के चौथे दिन 1863 ने डाले वोट

80 वर्ष से अधिक उम्र के सीनियर वोटर और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग वोटर्स के लिए शुरू की होम वोटिंग की सुविधा के चौथे दिन आज जयपुर जिले में 1863 लोगों ने वोट किए। जयपुर के सभी 19 क्षेत्रों में पोलिंग पार्टियां 1927 मतदाताओं के घर गई, जिसमें 54 मतदाता घर पर नहीं मिले। इस तरह चार दिन के अंदर अब तक जयपुर जिले की 19 सीटों पर कुल 6 हजार 12 पात्र मतदाता घर बैठे मतदान कर चुके हैं। होम वोटिंग में जो मतदाता पहले चरण के दौरान घर पर अनुपस्थित रहेंगे, उनके लिए 20 और 21 नवंबर को विशेष मतदान दल दूसरी बार विजिट करेंगे।

संस्था के सदस्यों और परिवार ने मिला कर सुनी भागवत

जयपुर. कासं

व्यास सेवा संस्थान की ओर से शुक्रवार को श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। यह भागवत श्री इंद्रेश्वर महादेव हनुमान मंदिर 91 ग्रीन पार्क दादी का फाटक जयपुर में आयोजित किया गया है । इस कथा में व्यास सेवा संस्थान और उत्कर्ष संस्थान के सदस्यों ने मिलकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई । कार्यक्रम के पहले दिन श्री भगवान की भक्ति पांच कर्मेंद्रिय पांच ज्ञानेंद्रिय व उनके नियंत्रण करते मन के बारे में व कृष्ण भक्ति के बारे में संत कृपा के बारे में बताया गया। कृष्ण और संत कृपा से अद्भुत संतान की प्राप्ति होती है एवं ऐसे योग बनते हैं। इसी कृपा से धुंध-कारी व गो-कर्ण का जन्म हुआ हुआ। व्यास पीठ पर विराजमान पंडित श्याम सुंदर शर्मा की कथा के माध्यम से भक्ति भाव से निष्काम भाव से कर्म करते रहने की प्रेरणा दी गई। इस कथा में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं कथा का आनंद लिया। इस अवसर पर कॉलोनी वार्शी कॉलोनी के वरिष्ठ नागरिक व्यास सेवा संस्थान के सचिव नरेंद्र व्यास सुरेंद्र पारीक, वेद बच्चन सिंह, जादौन किरोडी लाल झा, सुभाष चंद्र पवन शर्मा, कैलाश शर्मा, मणि रत्नम एवं महिला मंडल ने कथा का रसास्वादन लिया।

कथक आधारित भवाई और मूर्तिशिल्प शैली से हुए रूबरू

'धरती धोरां री' में गुरुओं के सिखाए सबक को शिष्यों ने किया साकार, कल खेला जाएगा राजपूताना नाटक

जयपुर. कासं। इंफोसिस फाउन्डेशन और भारतीय विद्या भवन की ओर से महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में सात दिवसीय लोक संगीत महोत्सव ''धरती धोरां री'' का आयोजन किया जा रहा है। इसके दूसरे दिन एक ओर जहां सात सौ स्टूडेंट्स ने तीन घंटे तक पद्मश्री स्व. अर्जुन प्रजापति की स्थापित मूर्तिशिल्प शैली और बीकानेर की उस्ता कला के जीवंत प्रदर्शन को अपलक निहारा। वहीं शाम के समय भवाई नृत्य के पर्याय रूप सिंह शेखावत के प्रयोगात्मक कथक आधारित भवाई नृत्य और पुंगी की मधुर धुन के साथ गाए गीतों का जमकर लुत्फ उठाया। इस

अनूठे लोकोत्सव का दूसरा दिन कई प्रयोगात्मक प्रस्तुतियों के नाम रहा जिसमें शहर के संस्कृति प्रेमियों ने परंपरागत कलाओं के परिवर्तित होते रूपों को देखा और समझा। इस मौके पर सुबह के समय आयोजित की गई वर्कशॉप में युवा मूर्तिकार राजेन्द्र प्रजापति ने उनके पिता और गुरू पद्मश्री स्व. अर्जुन प्रजापति की ओर से स्थापित रूपवादी मूर्तिशिल्प शैली के बारे में वर्कशॉप में आए लगभग सात सौ स्टूडेंट्स को बताया। उन्होंने इस मौके पर क्ले से रवींद्र नाथ टैगोर की मूर्ति बनाकर उसे मार्बल में कास्ट करने की तकनीक समझाई। कार्यशाला स्थल पर राजेन्द्र का बनाया अर्जुन प्रजापति का मूर्तिशिल्प और अर्जुन की बणी ठणी का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला के बाद कलाकार राजेन्द्र प्रजपति और नियाज उस्ता का शिक्षाविद् जयश्री पेड़ीवाल ने सम्मान किया। इसके बाद नियाज उस्ता ने उंट की खाल से सुराही बनाकर उस पर चित्रकारी तथा ज्वैलरी बॉक्स पर गोल्ड वर्क करने की रीति समझाई जिसे स्टूडेंट्स ने बड़े ही कौतुहल से देखा।

महासती श्री पुष्पवती जी (माताजी) म.सा. का 99वां जन्म दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्या राजस्थान सिंहनी महाश्रमणी गुरुमाता महासती श्री पुष्पवती जी म सा, परम पूज्या उपप्रवर्तिनी मरुधरा शिरोमणि सद्गुरुवर्या महासती श्री राजमती जी म सा, प्रखर वक्ता डॉ. साध्वी श्री राज रश्मि जी म सा, डॉ. साध्वी श्री राज ऋद्धि जी म सा आदि ठाणा के पावन सान्निध्य एवं श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्था, मानसरोवर जयपुर के तत्वावधान में परम पूज्या महाश्रमणी राजस्थान सिंहनी स्वाध्याय प्रेमी सरलमना गुरुमाता महासती श्री पुष्पवती जी (माताजी)म.सा. का 99वां जन्म दिवस16 नवंबर को गुरुवार को विविध आयोजनो के साथ मनाया गया। धर्म सभा मे उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओ ने 2-2 सामायिक के साथ गुरू गुणगान किया। 99 वे जन्म दिवस के उपलक्ष्य मे परम गुरूभक्त परिवार द्वारा 99 लक्की ड्रा निकाले गये। इस पावन प्रसंग पर श्री संघ द्वारा 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ जनो का सम्मान किया गया। गुरूमाता के 99 वे जन्म दिवस के उपलक्ष्य मे मानसरोवर श्री संघ द्वारा एक दिन पूर्व 15 नवम्बर को वृद्धाश्रम, बाल आश्रम विभिन्न स्थानो अन्नदान सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर पूर्व मे आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओ के परिणाम घोषित किये गये तथा गुरूभक्त परिवार द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। संघ अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार जैन 'राजा' ने बताया की गुरूमाता के 99 वे जन्म दिवस को मनाकर श्री संघ अपने आप को धन्य एवं गौरवान्वित महसूस कर रहा है। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं मानव सेवा के कार्य किये गये। संघ मंत्री प्रकाश लोढ़ा ने बताया की इस अवसर पर लगभग 700 से अधिक श्रावक-श्राविकाओ ने जन्म दिवस पर उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया तथा श्री संघ को आतिथ्य सेवा का लाभ दिया। कार्यक्रम पश्चात श्री संघ द्वारा सभी के भोजन व्यवस्था रखी गई।

बेगस जैन मंदिर का 12वां वार्षिकोत्सव रविवार 19 को

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री शांति दिगम्बर जैन मंदिर बेगस का 12वां वार्षिकोत्सव रविवार को सुबह 8.15 बजे से विभिन्न धार्मिक आयोजनों के बीच मनाया जाएगा। परम पूज्य उपाध्याय श्री उर्जयंत सागर जी महाराज के आशीर्वाद से आयोजित होने वाले इस आयोजन में काफी संख्या में श्रद्धालुओं के भाग लेने की संभावना है। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष पूनम चंद ठोलिया व मंत्री सुरेश छाबडा ने बताया कि इस मौके पर सर्वप्रथम सुबह 8.15 बजे जिनेन्द्र अभिषेक के बाद श्रीजी की शांतिधारा व नित्य नियम पूजा की जाएगी। इसके बाद ध्वजारोहण सुमनलता जैन,प्रदीप जैन, खुशबू जैन, कृष्णा जैन निहाल चंद सौगानी खातीपुरा वाले जयपुर करेंगे। इसके बाद दीप प्रज्जवलन समाजश्रेष्ठी राजकुमार,सोनिया जैन, आशिष,नरेन्द्र कुमार,संगीता जैन, रुचिका, रचित व रौनक बेगस्या परिवार जयपुर करेंगे। इसके बाद साजों के बाद प्रतिष्ठाचया पंडित प्रद्युम्न शास्त्री साजों के बीच शांति विधान की पूजा करवाएंगे। उन्होंने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि राकेश शिल्पा मोदी, मुस्कान मोदी व सक्षम मोदी नेमिसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर होंगे। इसके अलावा विशिष्ठ अतिथि विशाल जैन,आरत जैन,तन्मय व चिन्मय जैन गोम्स डिफेंस कॉलोनी वैशाली नगर होंगे जबकि पूजन सामग्री पुण्यार्जक धर्मचंद बड़जात्या की स्मृति में प्रेमचंद,चंद्रकांता,,मंजू,पवन, हर्षित व दीपिका बड़जात्या परिवार रेनवाल मांझीवाले वसुंधरा कॉलोनी वाले जयपुर होंगे। उन्होंने बताया कि अतिथि सम्मान के बाद अंत में श्रीजी के कलश होंगे।

श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः
श्री चन्द्र प्रभु जिनेन्द्राय नमः

पदयात्रा

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर
शांति नगर से
श्री आदिनाथ दि. जैन मन्दिर संघी जी
(अतिशय क्षेत्र, सांगानेर)

कार्यक्रम
रविवार, दिनांक 19.11.2023

पदयात्रा प्रस्थान	(शांति नगर मन्दिर से)	प्रातः 5.45 बजे
आगमन	(सांगानेर मन्दिर)	प्रातः 7.15 बजे
अल्पहार		प्रातः 8.00 बजे
रिद्धि मंत्रो से 48 दीपको द्वारा भक्तामर स्त्रोत पाठ एवं महाआरती		प्रातः 8.30 बजे से
स्वरुचि भोज		प्रातः 11.30 बजे

मूलनायक प्रतिमा श्री 1008 आदिनाथ भगवान
अभिषेक एवं शांतिधारा प्रातः 7.30 बजे से
इस पद यात्रा में आप सपरिवार सादर आमंत्रित है

दीपावली स्नेह मिलन

एक दीपक मेरे नाम का
पहले आओ पहले पाओ (48 दीपक)

निवेदक :
मित्रा परिवार पदयात्रा संघ, चुल गिरी पदयात्रा संघ
नवयुवक मण्डल, महिला मण्डल
प्रबंध समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज शांति नगर

सम्पर्क सूत्र :–
9829165560, 9414238080, 9829190321, 9829154905, 9351346317
9549341550, 9351374091, 9462223923, 9829585858, 9929415117

सनातन धर्म की रक्षा के लिए लिया शत प्रतिशत मतदान का संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

सनातन धर्म की रक्षा के लिए सर्व समाज हिंदू महासभा जयपुर की ओर से शुक्रवार शाम को बंध की घाटी, पुरानी चुंगी दिल्ली बाईपास रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश आश्रम मंदिर में आम सभा का आयोजन कर शत प्रतिशत मतदान का संकल्प लिया गया। महासभा के संस्थापक एवं अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि शत प्रतिशत मतदान कराने के लिए सर्व समाज हिंदू महासभा की कई टोलियां बनाई गई है जो मतदान दिवस तक कार्य करेगी। ये टोलिया घर-घर जाकर लोगों को शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करेगी। कनक बिहारी मंदिर के महन्त सियाराम दास महाराज ने लोकतंत्र में वोट की चोट से सनातन धर्म बचाने आह्वान किया। ढेहर के बालाजी स्थित सियाराम दास बाबा की बगीची के महंत हरिशंकर दास वेदांती ने कहा कि सनातन धर्म बचेगा तो देश बचेगा। सनातन धर्म सबके मंगल की कामना करता है। सर्व समाज के प्रतिनिधि हेमन्त सेठिया ने कहा कि सनातन धर्म पर सदियों से आक्रमण हो रहे हैं। अब राजनीतिक दलों के लोग कीटाणु और जीवाणु बता रहे हैं। सभी को सनातन धर्म की रक्षा एकत्र होना होगा। इस अवसर पर खटीक समाज के हरजी नरानिया, कोली समाज के लीलाधर महावर, रेगर समाज के बाबूलाल दातुनिया, जांगिड़ समाज के संजय शर्मा, बडगूजर समाज के राजकुमार पलाडिया, मीणा समाज के राजू मीणा, गुर्जर समाज की

पुरुषोत्तम फागना, वाल्मीकि समाज के राजकुमार बिंवाल सेन समाज के मोहन मोरवाल, मूर्तिकार समाज के गिरिराज नाहटा, जाट समाज के भागीरथ भवरिया, बिश्नोई समाज के रजत बिश्नोई, ब्राह्मण समाज के प्रकाश शर्मा , भारत शर्मा, अग्रवाल समाज के चंद्र प्रकाश अग्रवाल, खंडेलवाल समाज के रमेश नाटाणी, जैन समाज के कमल संचेती, सिंधी समाज के चंद्र प्रकाश खेतानी, संतोष तिरवानी, सिख समाज के अजय पाल सिंह, राजपूत समाज के सुमेर सिंह राठौर, राजेंद्र सिंह शेखावत, रावना राजपूत समाज के रणजीत सिंह, यादव समाज के अजय यादव, माली समाज ओमप्रकाश सैनी, कुमावत समाज के भीमराव कुमावत, पन्नालाल कुमावत, विमल कुमावत, स्वर्णकार समाज के मातादीन सोनी सहित पंजाबी समाज, तेली समाज, धोबी समाज, लोधा समाज, कलाल समाज, योगी समाज, बैरवा समाज सहित अनेक समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सखी गुलाबी नगरी

।। जय जिनेन्द्र ।।

Happy Birthday

18 नवम्बर '23

श्रीमती प्रीति-सुनील छाबड़ा

सारिका जैन
अध्यक्ष

स्वाति जैन
सचिव

समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

वेद ज्ञान

जनहित के कार्यों में लगाएं जीवन

एक-दूसरे के बगैर मनुष्य के अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसके हर सुख-दुख में उसका समाज सहभागी होता है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य का यह दायित्व बनता है कि वह दूसरों के हित को ध्यान में रखकर ही कर्म करे। जो व्यक्ति स्वयं की चिंता करने से पहले जनहित की सोचता है और उसी के अनुसार कार्य करता है, सच्चे अर्थों में वही मनुष्य है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि यदि दूसरों के दुखों को देखकर आपका मन विचलित नहीं होता तो आप कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन मनुष्य कदापि नहीं हो सकते। असल में ईश्वर ने हमें दूसरों की भलाई करने के लिए ही तमाम तरह की शक्तियां व सामर्थ्य दिया है। प्रकृति के कण-कण में भी दूसरों पर उपकार करने की भावना दिखती है। सूर्य, चंद्रमा, वायु, पेड़-पौधे, नदी आदि किसी स्वार्थ के बगैर दूसरों की सेवा में लगे हुए हैं। प्रकृति से सीख लेते हुए प्रत्येक मनुष्य को भी जनहित के कार्यों में अपने जीवन को समर्पित कर देना चाहिए। दूसरों के हित से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है। हर व्यक्ति को दीन-दुखियों की सेवा भगवान की भक्ति समझकर करनी चाहिए। तुलसीदास जी कहते हैं कि दूसरों की भलाई के समान अन्य कोई श्रेष्ठ धर्म और दूसरों को कष्ट देने जैसा अन्य कोई पाप नहीं है। जब हम दूसरों की मदद करते हैं, तब वास्तव में हम अपनी ही मदद कर रहे होते हैं, क्योंकि दूसरों की सहायता करने से हमारा आत्मविश्वास व सहनशीलता बढ़ती है, जिससे हमारे विचार शुद्ध होते हैं और मन शांत रहता है। ऐसे में हमारा धैर्य हमें विचलित नहीं होने देता और मानसिक व शारीरिक बल कुछ करने का सामर्थ्य उत्पन्न करते हैं। कहने का सार यही है कि दूसरों की मदद करने में ही मनुष्य की प्रगति और उन्नति है। सच तो यह है कि यदि हम अपने कल्याण की न सोचकर समस्त प्राणियों की भलाई के बारे में सोचें तो इस धरती पर कहीं कोई समस्या ही शेष नहीं बचेगी। ऐसे में हमें यही मानकर चलना चाहिए कि ईश्वर ने हमें कोई भी वस्तु केवल स्वयं के उपभोग के लिए नहीं, बल्कि इसलिए दी है कि उससे ज्यादा से ज्यादा लोगों का भला हो सके। प्रत्येक व्यक्ति को यह मानना चाहिए कि उसका इतना दयित्व जरूर बनता है कि वह संसार को उतना अवश्य लौटा दे, जितना उसने इससे लिया है।

संपादकीय

सरकार और समाज को हर स्तर पर सक्रिय हो जाना चाहिए

जब कोई समस्या बढ़ कर संकट में बदलने वाली हो तो उसका सामना करने और उसे रोकने के लिए सरकार और समाज को हर स्तर पर सक्रिय हो जाना चाहिए। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि दिल्ली और देश के अन्य शहरों में प्रदूषण के चरम स्थिति में पहुंचने के बावजूद न तो सरकारों को पर्याप्त सक्रियता बरतने की जरूरत लग रही है, न आम लोगों को इस बात की फिक्र है कि इसका खमियाजा उन्हें किस तरह भुगतना पड़ेगा। दिल्ली में पिछले कई दिनों से धुंध और धुएं की वजह से लोगों को सांस तक लेने में दिक्कत होने लगी थी। हालात ऐसे थे कि लोगों के लिए घर से बाहर निकलना भी जोखिम भरा हो गया था। मगर दिवाली से एक दिन पहले हुई बारिश की वजह से मौसम में काफी राहत देखी गई। आसमान साफ हो गया था और वायु गुणवत्ता में भी काफी सुधार आया। प्रकृति की अचानक मेहरबानी से मिली इस स्थिति को संभालने की जरूरत थी, लेकिन बहुत सारे लोगों को इस बात

का खयाल रखना जरूरी नहीं लगा। हालांकि इस बात की आशंका पहले से थी कि दिवाली के मौके पर आतिशबाजी अगर अनियंत्रित हुई तो स्थिति बिगड़ सकती है। मगर अगले दिन दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक और प्रदूषण की जैसी तस्वीर सामने आई, उससे यह एक बार फिर साफ हुआ कि लोग अपनी सेहत के सामने खड़ी चुनौती के बावजूद क्षणिक खुशियों को काबू में रखने को तैयार नहीं हैं। प्रतिबंध के बावजूद इस बार जितने बड़े पैमाने पर आतिशबाजी हुई, उसका नतीजा अगले दिन देखने को मिला। गौरतलब है कि दिवाली के दिन शाम को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगभग दो सौ के आसपास था, मगर अगले दिन यह फिर चार सौ पर पहुंच गया। यह हालत देश के ज्यादातर मुख्य शहरों की थी। दिल्ली और मुंबई सहित कुछ शहरों में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में पहुंचने के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण के भी पुराने आंकड़े ध्वस्त हो गए। यह समझना मुश्किल है कि जब प्रदूषण की वजह से आम जनजीवन बाधित हो रहा है, बहुत सारे लोगों के लिए सांस लेना मुश्किल हो रहा हो, सेहत संबंधी कई गंभीर चुनौतियां पेश आ रही हैं, उसे और बिगाड़ने में लोग कैसे उत्साह से हिस्सा लेते हैं? जाहिर है, यह प्रदूषण जैसे मसले पर जागरूकता के घोर अभाव और समस्या के हल को लेकर निहायत असंवेदनशीलता का ही सूचक है कि अपने सामने खड़े संकट को कम करने के बजाय लोग उसे बढ़ाने में जुटे हैं। सवाल है कि सरकारों को इस संकट का हल कुछ औपचारिक उपायों से आगे क्यों नहीं सूझ पाता। दिल्ली में प्रदूषण की जो धुंध छाई दिखती है और हवा में पीएम 2.5 जैसे सूक्ष्म कणों की मौजूदगी है, इसकी वजह वाहनों के धुएं से लेकर पराली तक को माना जा रहा है। मगर ऐसा क्यों है कि हवा के दबाव की स्थिति को देखते हुए प्रदूषण को संकट में बदलने वाले वास्तविक कारकों की पहचान करके उसे कुछ दिनों के लिए स्थगित किया जाए, उस पर रोक लगाई जाए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

स्कूलों को बेहतर बनाएं

भारत में करीब 15 लाख स्कूलों का भारी भरकम नेटवर्क है जिसमें करीब 26 करोड़ छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। शिक्षा का अधिकार, सर्व शिक्षा अभियान और मध्याह्न भोजन जैसी सरकारी पहलों ने स्कूली शिक्षा तक पहुंच में महत्त्वपूर्ण सुधार किया है। बहरहाल, अभी भी बड़े पैमाने पर अंतःसंबंधित चुनौतियां मौजूद हैं जिनमें शिक्षण नतीजे, शिक्षकों की रिक्तियां, संचालन से लेकर संगठनात्मक मुद्दे शामिल हैं। इस संदर्भ में नीति आयोग ने तीन प्रदेशों झारखंड, मध्य प्रदेश और ओडिशा में सस्टेनेबल ऐक्शन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग ह्यूमन कैपिटल इन एजुकेशन (साथ-ई) के अंतर्गत जो काम किया है वह अन्य राज्यों को आगे की राह दिखा सकता है। देश भर में छोटे सरकारी स्कूलों को तेजी से खोले जाने और प्रजनन दर में कमी ने इनमें से कुछ स्कूलों को अत्यधिक छोटे आकार का बना दिया है। बड़ी तादाद में छोटे-छोटे स्कूलों का संचालन न केवल महंगा पड़ता है बल्कि शैक्षणिक नतीजों पर भी इसका असर होता है क्योंकि शिक्षकों की उपलब्धता कम होती है। उदाहरण के लिए झारखंड में 4,380 स्कूलों का विलय किया गया जिससे करीब 400 करोड़ रुपये की बचत हुई। नीति आयोग की परियोजना में साफ तौर पर इस बात पर जोर दिया गया है कि छोटे, कम पैमाने पर काम कर रहे और कम छात्र पंजीयन वाले स्कूलों का विलय किया जाए और शिक्षकों की समुचित व्यवस्था की जाए क्योंकि देश के स्कूली शिक्षा परिदृश्य में बदलाव लाने में उनकी अहम भूमिका है। अकादमिक सुधार और स्कूली स्तर पर नवाचार तभी सफल हो सकते हैं जब व्यवस्थागत चुनौतियों का सामना संस्थागत और संचालन स्तर पर बदलावों के मिश्रण से किया जाए। इस सप्ताह जारी की गई परियोजना पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार छोटे पैमाने पर काम कर रहे स्कूलों का विलय करने तथा आसपास के स्कूलों को उसमें मिलाने से बेहतर शैक्षणिक और प्रशासनिक नतीजे हासिल हुए हैं। एक बार एकीकरण हो जाने के बाद बड़े स्कूल न केवल स्कूलों का बड़ा आकार मुहैया कराते हैं बल्कि वहां शिक्षकों की भी समुचित व्यवस्था होती है और बुनियादी ढांचा भी बेहतर होता है। इसके अतिरिक्त इससे छात्रों की क्षमता बढ़ती है, वे एक कक्षा से दूसरी कक्षा में सहज ढंग से जाते हैं और एक साथ कई कक्षाओं को पढ़ाने की प्रक्रिया पर भी रोक लगती है। ज्यादा तादाद में छात्रों को एक बड़े साथी समूह का सहयोग मिलता है, इससे उनके ज्ञान में गहराई और विविधता आती है। इससे शैक्षणिक अनुशासन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। ये सारी बातें स्कूल के बेहतर प्रदर्शन, स्कूल छोड़ने वालों की तादाद में कमी और छात्रों के लिए बेहतर शिक्षण नतीजों से संबद्ध हैं। बेहतर निगरानी तथा संचालन भी स्कूलों के विलय से जुड़ा एक लाभ है। साथ-ई परियोजना में शामिल तीन स्कूलों का अनुभव अन्य राज्यों को प्रोत्साहित कर सकता है कि वे इससे निकले कुछ सबकों को अपनाएं। इस दौरान आर्थिक व्यवहार्यता और स्थानीय समुदायों के बच्चों पर प्रभाव जैसे कारकों को भी ध्यान में रखना होगा। भारत की भौगोलिक आकृतियों में अंतर को देखते हुए तथा जनजातीय आबादी को ध्यान में रखते हुए इस बात को पूरी तवज्जो दी जानी चाहिए कि दूरदराज इलाकों में स्कूल तक पहुंच प्रभावित न हो और स्कूल छोड़ने वालों की संख्या बढ़ न जाए।

(18-11-2023)

प्यारी बिटिया

इशिता बड़जात्या

को जन्मदिन की

हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छु: (चंचल देवी) (नवीन विनीता) (कमल मधु) (राकेश सरोज) (मनीष नीरज) (नवीन मीनाक्षी) (राहुल मोनिका) (रोहित कीर्ति) वैभव, अर्चित, विविधा, नेहल, आदित्य, कीर्तिका, हार्दिक, दविश, मानवी, अनिका, दक्ष, दीक्षा एवं समस्त बडजात्या परिवार नसीराबाद (जतन जी पंसारी) (जैन टिफिन सेंटर) (राहुल जैन 9413135797) (पत्रकार रोहित जैन 8575455555)

णमोकार महामंत्र जाप्य लेखकों का 25 वां सम्मान समारोह 19 नवंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर की ओर से 25वां णमोकार महामंत्र जाप्य लेखकों का सम्मान समारोह रविवार दिनांक 19.11.2023 को प्रातः 9 बजे से श्री आदिनाथ भवन श्री दिगम्बर जैन मंदिर मीरा मार्ग, मानसरोवर जयपुर में आयोजित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष रतन लाल जैन कोठारी मंत्री बाबूलाल लाल जैन ईसरदा वालों ने बताया कि कार्यक्रम में वर्ष 2023 में 250 णमोकार महामंत्र लेखकों को सम्मानित किया जाएगा। प्रचार मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने जानकारी दी कि प्रति वर्ष सवा लाख मंत्र लिखने वालों को हीरक पदक, इक्यावन हजार लिखने वालों को स्वर्ण पदक व पच्चीस हजार लिखने वालों को रजत पदक से सम्मानित किया जाता है।

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर

HAPPY ANNIVERSARY

18 नवम्बर '23

9829231213

श्री अखिल - श्रीमती विनिता सोगानी

जैन सोशल ग्रुप महानगर सदस्य

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

संजय-सपना जैन छाबड़ा आवा: अध्यक्ष

सुनील-अनिता गंगवाल: सचिव

प्रदीप-निशा जैन: संस्थापक अध्यक्ष

स्वाति-नरेंद्र जैन: ग्रीटिंग कमेटी चेयरमैन

सखी गुलाबी नगरी

॥ जय जिनेन्द्र ॥

18 नवम्बर '23

HAPPY Wedding ANNIVERSARY

श्रीमती रेखा-निर्मल गोदिका

सारिका जैन
अध्यक्ष

स्वाति जैन
सचिव

समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

तप त्याग और गुणागान से मनाया गुरू गणेश गुरूवर्या सज्जनकंवर की जन्मजयंती साहुकार पेट में

चमत्कारी और दिव्य अवतारी महापुरुष थे गुरू गणेश और गुरूवर्या सज्जनकंवर जी : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। चमत्कारी और दिव्य अवतारी महापुरुष थे, गुरू गणेश और गुरूवर्या सज्जन कवर जी । शुक्रवार को जैन भवन साहुकारपेट में महासती धर्मप्रभा ने कर्नाटक गजकेसरी गणेशीलाल जी महाराज एवं गुरूणीमय्या सज्जन कंवर जी म.सा. की जन्मजयंती समारोह में गुणागान करतें हुए कहा कि गुरूदेव हमारे बिच में नहीं फिर भी गुरू गणेश का नाम जो भक्त श्रध्दां और भक्ति से लेता है तो उसके बिगड़े काम बन जाते है और वह व्यक्ति जीवन में सफलता को प्राप्त करता है। गुरूदेव की तप-त्याग और तपस्या साधना जबरदस्त थी,और मुख से निकले वचन हमेशा सत्य हो जाते थे। आप मानवता के मसीहा करूणा के देवता जीवो के सच्चे रक्षक थे। आपश्री के जीवन में अनेक चमत्कार हुए जिनको मिनटो और घंटों में बताया नहीं जा सकता है। आप ने हजारों बकरों को अभयदान दिरवाया और बलि प्रथा को बंद करवाने केलिए अनशन किया और जहां बलि चढ़ाई जा रही थी वहां पर आपने स्वंय की गरदन आगे कर दी और बली प्रथा को बंद करवाया।

आर्यिका 105 श्री आदिमती माताजी का 63वां दीक्षा दिवस हर्षोल्लास से मनाया

फागी. शाबाश इंडिया। धर्म परायण नगरी फागी में आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रही हैं । जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबु गोधा ने अवगत कराया कि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य प्रशांत मूर्ति आगम रक्षिका समाधिस्थ आर्यिका रत्न 105 श्री आदिमती माताजी का 63 वां दीक्षा दिवस विभिन्न आयोजन के साथ धूमधाम से मनाया गया । गोधा ने बताया कि इस अवसर पर प्रात 5:15 बजे जिनेंद्र भगवान का पंचामृत अभिषेक एवं वृहत महा शांति धारा की गई तत्पश्चात ठीक 7:00 बजे श्री ऋषभदेव महामंडल विधान पूजन प्रारंभ हुआ जिसमें 204 अर्घ्य चढ़ायें गये, विधान पूजन स्थानीय मनीष भैया लदाना वालों ने संपन्न करवाया, विधान में राजकुमार मोदी, पारस मित्तल, सीताराम कलवाड़ा, विनोद मोदी, सौभाग पहाड़ियां, धर्मचंद त्रिलोकचंद पीपलू वाले सहित लगभग 51 श्रद्धालुओ ने विधान में बैठकर पूजाअर्चना की उसके पश्चात आर्यिका श्री आदिमती माताजी का अष्ट द्रव्यों से पूजन किया गया तत्पश्चात श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया और प्रतियोगिता का रिजल्ट भी सुनाया गया, कार्यक्रम बाद आर्यिका संघ ने सभी श्रावकों को मंगलमय आशीर्वाद दिया।

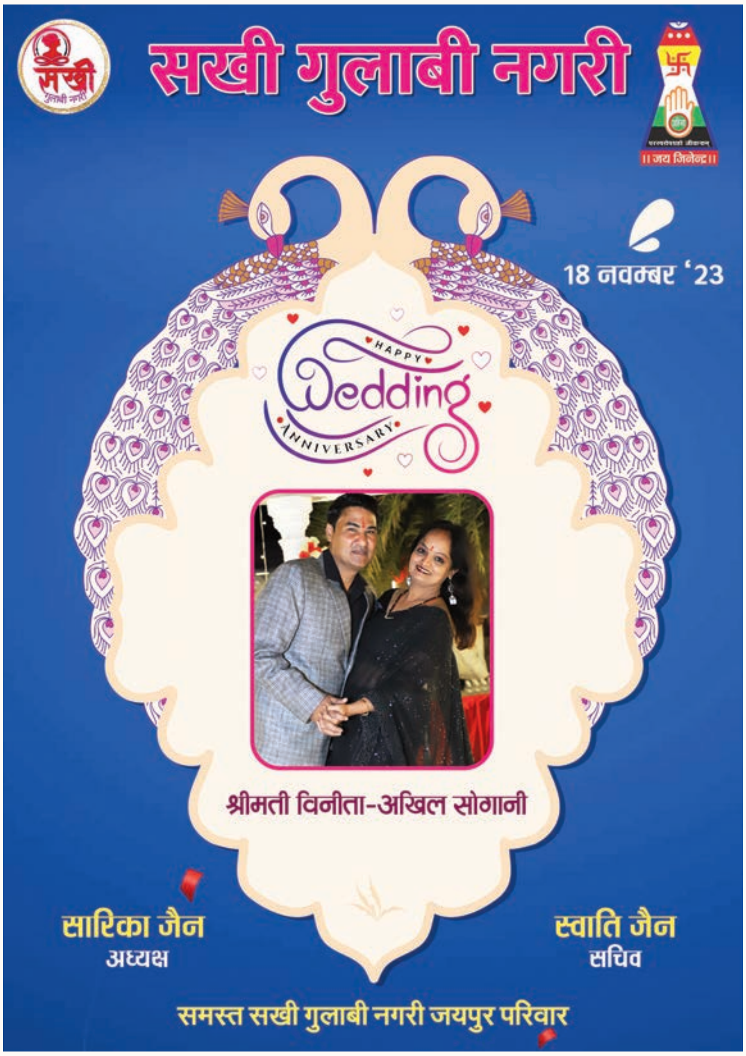

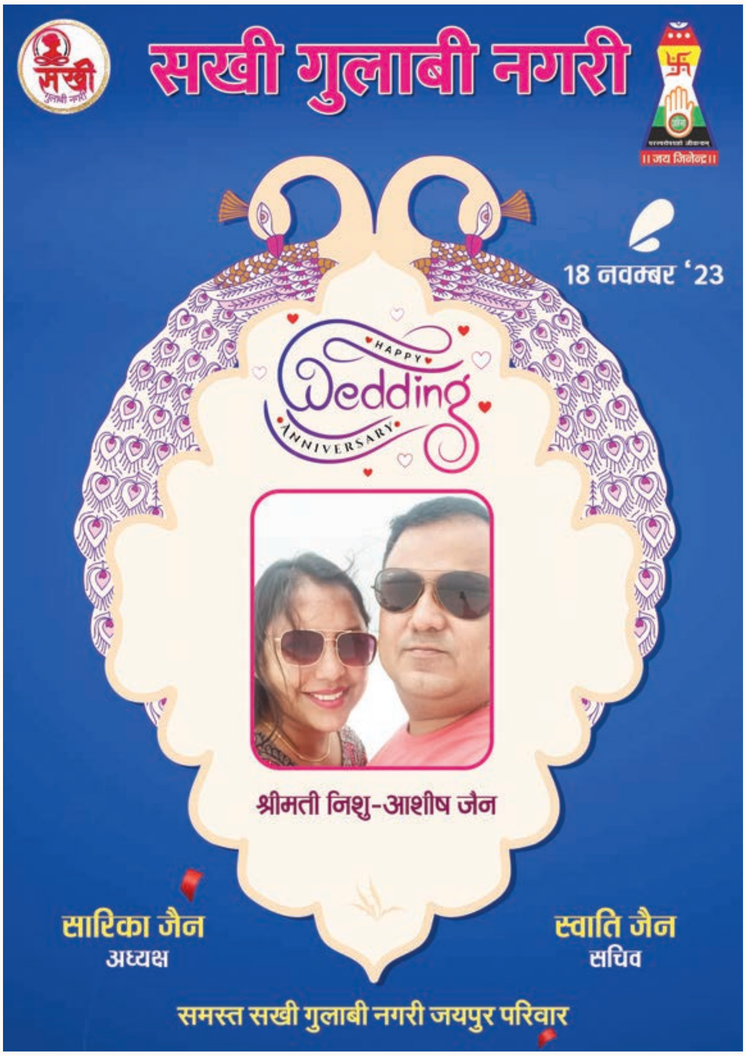

वर्धमान पाठशाला की संगीता बिलासपुरिया अध्यक्ष चुनी गई

राजेश जैन अरिहंत. शाबाश इंडिया

टोंक। श्री दिगंबर जैन वर्धमान पाठशाला माणक चौक पुरानी टोंक के सदस्यों की एक मीटिंग श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन तेरापंथ ट्रस्ट भवन पुरानी टोंक में आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से संगीता बिलासपुरिया को अध्यक्ष चुना गया निर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी का गठन करते हुए आशा भोंसा को मंत्री,उर्मिला छाबड़ा को कोषाध्यक्ष बनाया सरंक्षक चंद्रकला सोनी,बीना जयपुरिया,संतरा सोनी,गटोल देवी,आशा बाकलीवाल, रानी सोनी, मंजू छाबड़ा उपाध्यक्ष तरुणा बिलासपुरिया, अनीता अनोपडा,मीनाक्षी सोगानी सह मंत्री योजना छाबड़ा,पायल चौधरी, दीप्ति बिलासपुरिया को बनाया गया चुनाव अधिकारी अशोक छाबड़ा ने सबको गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया एवं शपथ ग्रहण कराई इस अवसर पर राजेश, मनोज, तेजेंद्र, अशोक, रमेश, राकेश, अनिल, सिद्धार्थ आदि भी उपस्थित थे।

बंगाली बाबा गणेश मंदिर में अन्नकूट महोत्सव 19 को, तैयारियां अंतिम चरण में

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में विशाल अन्नकूट महोत्सव 19 नवम्बर को दोपहर 3 बजे से आयोजित होगा। इस मौके पर हजारों की संख्या में दिल्ली रोड, आगरा रोड व जयपुर शहर की कॉलोनियों के भक्तगण पंगत में बैठकर अन्नकूट की प्रसादी ग्रहण करेंगे। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। बंगाली बाबा मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ प्रथम पूज्य,स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव को अन्नकूट का भोग लगाकर किया जाएगा। इस मौके पर गणेश जी के लड्डुओं की झांकी व श्रंगार व श्री आत्माराम के जलेश्वर महादेव के अन्न की झांकी सजाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मौके पर मंदिर प्रांगण को आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा। अन्नकूट प्रसादी का क्रम दोपहर 3बजे से शुरू होगा,जो देर रात तक चलेगा। इस अवसर पर तीन दर्जन से अधिक कार्यकताओं की टोलियां भक्तों को पंगत में बिठाकर प्रसादी जिमाएंगी।

महावीर इंटरनेशनल की ई-चौपाल "दोस्ती से सेवा की ओर" का आयोजन

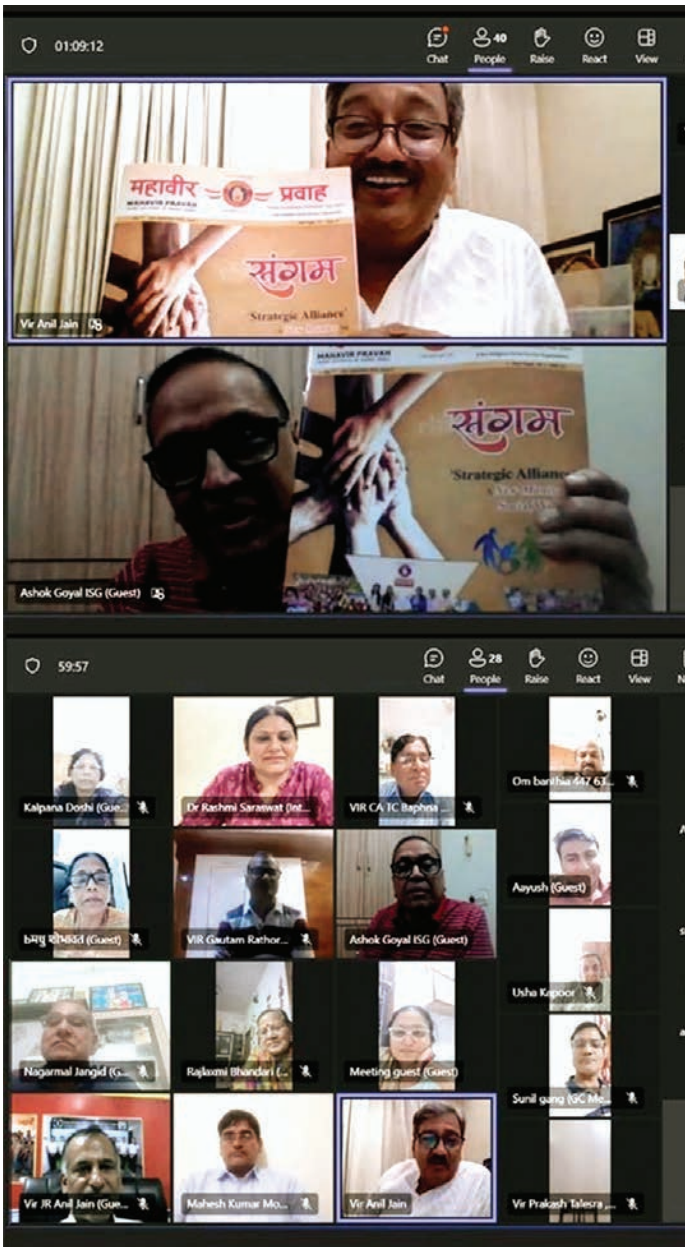

जयपुर. कासं

महावीर इंटरनेशनल द्वारा शुरू की गई ई- चौपाल ''दोस्ती से सेवा की ओर'' का आयोजन एक अनूठी पहल है। इस चौपाल में प्रतिदिन सोमवार से शनिवार रात्रि 8-9 बजे देश -विदेश में रहने वाले सभी सदस्य वीर - वीरा एक दूसरे से मिलते हैं, जानते - पहचानते हैं, किसी भी रुचिकर विषय पर अपने अपने भावों और विचारों को अभिव्यक्त करते है और प्रसन्न भाव के साथ शुभ रात्रि कहते हुए वापस जातें है फिर से अगले दिन उन सभी अच्छे लोगों से मिलने और दोस्ती को पक्का करने के लिए। लगातार चल रही ई चौपाल के माध्यम से सदस्यों में एक अभूतपूर्व और नई ऊर्जा का संचार हुआ है। समाज सेवा के क्षेत्र में स्वैच्छिक रूप से काम करने वाले समाज सेवा की एक नई परिभाषा लिख रहें हैं। समाज सेवा के सभी पहलुओं पर आपसी विचार विमर्श, सहमति और तुरंत सर्वमान्य निर्णय, इस एनजीओ के काम करने की क्षमता को कई गुना बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही है। किसी भी इच्छुक व्यक्ति से उसकी सुविधानुसार संस्था के पदाधिकारियों से मिलने का एक सुनहरा अवसर भी इस प्लेटफार्म पर मिल रहा है। अच्छे लोगों की संगत से खुशी मिलती है, और अच्छे परिणाम भी मिलते हैं। यहां पर सभी साथी इस विचार की सार्थकता को प्रतिदिन महसूस कर रहें हैं। विश्व में किसी भी NGO की संभवतः यह प्रथम पहल है। इस सोच के पीछे संस्था के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सीए अनिल जैन की दूरदर्शिता है और उनका यह विश्वास है कि पहले दोस्ती, फिर समाज सेवा का तरीका अप्रत्याशित परिणाम दे सकता है और इस संस्था की क्षमता को जल्द ही कई गुना बढ़ा सकता है।

101 यात्रियों का दल श्री सम्मेद शिखर की यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन एम,एम, यात्रा संघ द्वारा श्री सम्मेद शिखर जी की दसवीं यात्रा शुक्रवार 17 नवंबर दोपहर 2बजे जयपुर स्टेशन से सियालदह एक्सप्रेस से रवाना हुई। यात्रा दल के संयोजक महावीर-मोनिका कासलीवाल ने बताया कि इस दसवीं यात्रा में 101 यात्रियों का दल श्री सम्मेद शिखर की यात्रा पर रवाना हुआ। नरेश कासलीवाल ने बताया कि यात्री 19 व 20 को शाश्वत पर्वत राज श्री सम्मेद शिखर की पद वंदना करेंगे तथा वापसी में 22 नवंबर को जयपुर लौटेंगे।

अर्चना शर्मा ने वार्ड 136, गौरव टावर में व्यापारी बंधुओ के साथ मीटिंग की

जयपुर. शाबाश इंडिया। सुबह 7:30 बजे मालवीय नगर विधानसभा के वार्ड 136, गौरव टावर में व्यापारी बंधुओं के साथ मीटिंग में भाग लिया तथा उनसे समर्थन मांगा। आज अशोक गहलोत मांगेंगे डॉ अर्चना शर्मा के समर्थन में वोट। 18 नवंबर शनिवार की शाम 7:30 बजे महेश नगर 80 फीट रोड जेडीए पार्क के सामने बड़ी सभा का आयोजन किया गया है जिसमें अशोक गहलोत मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे और अर्चना शर्मा के समर्थन में वोट मांगेंगे।

शिव रवैल ने खुलासा किया

आदित्य चोपड़ा ने वाईआरएफ की पहली सीरीज के लिए द रेलवे मैन को चुना!

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटफ्लिक्स और वाईआरएफ एंटरटेनमेंट की सीरीज, द रेलवे मैन वीरता, आशा और मानवता की एक रोमांचक कहानी है। यह देखने लायक सबसे बहुप्रतीक्षित सीरीज बन गई है और निर्देशक शिव रवैल ने खुलासा किया है कि कैसे आदित्य चोपड़ा ने स्क्रिप्ट के हर बीट को संवारने और निखारने में 2 साल का समय लिया, एक ऐसा पैमाना पेश करने पर ध्यान दिया जो डिजिटल पर कभी हासिल नहीं किया गया। शिव कहते हैं, ''एक बात जो मैं अपने गुरु, आदित्य चोपड़ा के बारे में जानता हूं, वह यह है कि वह कभी भी ऐसा कुछ नहीं बनाएंगे जो उन्हें न लगे कि वह दर्शकों को देखने के लिए पर्याप्त रूप से आकर्षक नहीं है। मुझे लगता है कि यही कारण है कि वाईआरएफ कई पीढ़ियों से पॉप संस्कृति को प्रभावित करने और लोगों की कंटेंट की पसंद को आकार देने में कामयाब रहा है।" वह कहते हैं, ''आदित्य चोपड़ा ने वाईआरएफ द्वारा स्ट्रीमिंग के लिए बनाई गई पहली सीरीज के लिए द रेलवे मैन को चुना। आदि द्वारा सीरीज को हरी झंडी देने का निर्णय लेने से पहले हमने स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया पर 2 साल से अधिक समय तक काम किया। वह वह विशेष था. उनका कारण सरल था - आदि चाहते थे कि वाईआरएफ के समान मूल्य वाईआरएफ एंटरटेनमेंट - इसकी ओटीटी शाखा और इसके द्वारा निर्मित परियोजनाओं के लोकाचार में प्रतिबिंबित हों।"

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

समग्र जैन समाज द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन, उमड़े बड़ी संख्या में जैन बंधु

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर द्वारा समग्र जैन समाज का दीपावली स्नेह मिलन समारोह शुक्रवार को रखा गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं समन्वयक सुधीर गोधा के मुताबिक इस आयोजन में दिगम्बर एवं श्वेतांबर जैन समाज शामिल हुए। समन्वयक मनीष बैद ने बताया कि शुक्रवार 17नवंबर को सायंकाल 4.00 बजे से 7.00 बजे तक नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में आयोजित इस समारोह का शुभारंभ समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजनों द्वारा भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन से हुआ। तत्पश्चात विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का तीन बार सामूहिक उच्चारण किया गया। इस आयोजन में जैन बन्धुओं सहित दिगम्बर एवं श्वेतांबर जैन समाज के युवा मण्डल, महिला मण्डल, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, संगिनी फारम, मंदिर कमेटियों सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों तथा समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजन, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए ।

उज्जैन में मुनि श्री सुप्रभ सागर जी, मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज का हुआ भव्य पिच्छि परिवर्तन समारोह

उज्जैन से हुआ मुनि संघ का विहार। पिच्छी से होती है दिगम्बर जैन मुनि की पहचान : मुनि श्री सुप्रभसागर जी

उज्जैन. शाबाश इंडिया

परम पूज्य श्रमणरत्न मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, परम पूज्य मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज का ऋषिनगर, उज्जैन में महाज्ञान कुंभ वषायोग निष्ठापन के बाद 14 नवम्बर 2023 को दोपहर 1 बजे से भव्य पिच्छि परिवर्तन समारोह कालिदास अकादमी विश्वविद्यालय परिसर उज्जैन में हर्षोल्लास पूर्वक किया गया। निर्देशन ब्रा. ब्र. साकेत भैया का रहा। मुनिसंघ गाजे-बाजे के साथ ऋषिनगर जैन मंदिर से आयोजन स्थल कालिदास अकादमी परिसर पहुँचे। अतिथियों, चातुर्मास समिति व विद्वानों ने चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन किया। इसके बाद आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज की पूजन भक्ति संगीत के साथ की गई, बालिकाओं ने पिच्छि के महत्त्व को रेखांकित करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुति से सभी को भाव-विभोर कर दिया। मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज को नई पिच्छी भेंट करने का सौभाग्य सुषमा जैन महेंद्र चाँदवाड, मीनाक्षी प्रदीप जैन, सुशीला अनीता जैन, मधु सुनील सौगानी, स्नेहलता, तेजकुमार विनायका, राजकुमारी कुसुमलता झांझरी, सुरमंजरी जैन, आशा जैन अशोक ठेकेदार को प्राप्त हुआ। मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज की पुरानी पिच्छि प्राप्त करने का सौभाग्य श्रीमती अर्चना जैन, प्रमोद जैन, प्रेमबाई जैन, शालनी, अंकुश जैन परिवार ऋषिनगर उज्जैन को प्राप्त हुआ। मुनि श्री प्रणत सागर जी महाराज की पुरानी पिच्छि प्राप्त करने का सौभाग्य मधु जैन, सुनील सौगानी, मयंक भारती सौगानी परिवार लक्ष्मीनगर उज्जैन को प्राप्त हुआ। मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज को नई पिच्छि देने का सौभाग्य विमला जैन, विजया जैन, हेमराज मांगीलाल जैन, सुलोचना, प्रमोद जैन, संगीता अरविंद बुखारिया, शारदा देवास, कांता जैन, कमलेश जैन, सावित्री जैन को प्राप्त हुआ। समारोह का संचालन राजेन्द्र महावीर सनावद, डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर व पंडित अखलेश शास्त्री रमगढा ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर मर्यादा पुरुषोत्तम आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी पुरस्कार 2023 मुनि भक्त, समाज श्रेष्ठि तेजकुमार जैन विनायका उज्जैन को प्रदान किया गया। इस मौके पर मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री माननीय मोहन यादव तथा कालिदास अकादमी के निर्देशक ने मुनिश्री को श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके पर मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ने कहा कि पिच्छी के द्वारा दिगम्बर जैन मुनि की पहचान होती है। पिच्छिका परिवर्तन समारोह में मयूर पिच्छी का महत्व समझाते हुए मुनिश्री ने पिच्छि के पांच गुणों के बारे में बताया। उन्होंने आगे कहा कि पिच्छी संयम का एक उपकरण है, प्राणीमात्र के प्रति करुणा का भाव रखते हैं और उसका पालन भी करते हैं। पिच्छी मिट्टी ,पानी , पसीना ग्रहण नहीं करती। यह बहुत कोमल और देखने में आकर्षक के साथ -साथ हल्की भी होती है, जिससे वजन का अहसास नहीं होता। इस पिच्छी द्वारा जीव का घात नहीं होता। इस मौके पर आयोजक दिगम्बर जैन समाज एवं महाज्ञान कुंभ बषायोग समिति के अध्यक्ष शान्तिकुमार कासलीवाल, कार्याध्यक्ष प्रमोद जैन, महामंत्री अशोक जैसवाल, अरविन्द बुखारिया, अशोक मंगलम, अनिल जैन, आवास प्रभारी मुकेश काला, राजकुमार जैन, सतेन्द्र जैन, अशोक मोदी, प्रदीप झांझरी, सुनील बरघड़िया, पी सी मंगलम आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में वात्सल्य भोज किया गया। पिच्छि परिवर्तन समारोह के बाद आयोजन स्थल से मुनिश्री ससंघ का मंगल पद विहार उज्जैन से आगर की ओर हो गया।

-डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर